

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND IN THE DEPARTMENT OF CULTURE (SHRI D. P. YADAV): (a) The Delhi School Teachers' Association was granted recognition in January, 1944, by the then Superintendent of Education Delhi-Ajmer-Marwar and Central India.

(b) To inculcate professional pride in every teacher; develop professional solidarity among teachers for achieving teachers' welfare-cultural educational, social and economic betterment.

(c) Ordinary Members—6500.  
Life Members 650.

(d) Delhi Education Advisory Board has been constituted according to provision of Delhi School Education Act, 1973 and representation to Government Aided School Teachers' Association, which is representative body of the teachers of recognised aided schools has been given.

(e) In view of answer to (d) the question does not arise.

मध्य प्रदेश में गेहूँ के पूरे कोटे की वसूली न होने पर किसानों में असंतोष

6601. श्री गंगा चरण बीकानत : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या मध्य प्रदेश में गेहूँ की पूरी वसूली न होने के कारण किसानों में असंतोष है ; और

(ख) यदि हाँ , तो क्या किसानों की आवश्यकता को पूरा करने हेतु सरकार ने उन्हें कुछ सुविधायें प्रदान की है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अण्णासाहेब पो.निगडे):(क) और (ख) . राज्य सरकार से हम मामले में पूछा गया था और उन्होंने सूचित किया है कि मध्य प्रदेश में किसानों में ऐसा कोई असंतोष नहीं है ।

मध्य प्रदेश में बोहरे किये जा रहे राष्ट्रीय राजपथ

6602. श्री गंगा चरण बीकानत : क्या नीलहान और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में कितने राष्ट्रीय राजपथ दोहरे बनाये जा रहे हैं और उनके नाम क्या है ;

(ख) क्या इस बारे में सभी औपचारिकताएँ पूरी कर ली गई हैं और यदि नहीं तो इस विलम्ब के क्या कारण हैं ; और

(ग) निर्माण कार्य कब शुरू किया जायेगा और इस कार्य के कब तक पूरा होने की संभावना है ?

नीलहान और परिवहन मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री प्रबल कुमार मुलर्जी) : (क) अपेक्षित सूचना देने वाला विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है [अन्वयात्मक में रखा गया; देखिये संख्या 6699/74]

(ख) और (ग) . उपरोक्त राष्ट्रीय राजमार्गों पर 35 कार्यों के लिये अनुमानों की स्वीकृति दे दी गई है । इनमें से, दो कार्य पूरे हो चुके हैं, जब की 28 कार्य प्रगति के विभिन्न चरणों में हैं । तीन कार्यों के मामलों में निविदा औपचारिकताओं को अन्तिम रूप दिया जा रहा है । शेष दो कार्य कभी हाँस ही में स्वीकृत किये गए और उनकी निविदा औपचारिकताओं पर अभी तक कार्य शुरू करना है ।

पर्याप्त धनराशि उपलब्ध होने पर इन कार्यों की पांचवी याजना काल में पूरे होने की संभावना है ।